भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत डिप्लोमा सत्रीय कार्य

संस्कृत

जमा करने की अन्तिम तिथि 15 मई 2013

कोर्स शीर्षक- पद्य काव्य **कोर्स कोड -**ईएसएल -03

ग्रीष्मकालीन सत्र 2012-13 **अधिकतम अंक** -40

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1 महाकवि कालिदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2 **वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि:,** इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए ।

3 **स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संश्रुणुते स किंप्रभुः**, इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए ।

4 निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए -

क्रियासुयुक्तैर्नृपचारचक्षुषो
न वञ्चनीया: प्रभवोऽनुजीविभि:
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वच:

5 महाकवि भारवि का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

6 द्रौपदी के चरित्र की किन्हीं चार विशेषताओं को लिखिए ।

7 पार्वती के सौन्दर्य वर्णन से सम्बन्धित किन्हीं दो श्लोको को लिखिए ।

8 राजा दुर्योधन अपनी प्रजा के साथ कैसा व्यवहार करता है स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ख

1 कुमारसम्भव प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

2 एक महाकाव्य के रूप में किरातार्जुनीयम् का मूल्यांकन कीजिए ।

3 महाकवि कालिदास का जीवन-परिचय एवं स्थितिकाल लिखिए ।

4 महाकवि भारवि की काव्य-कला का वर्णन कीजिए